

07/05/2022

पञ्चावली जेस हुरि। पकीन पादि अनुपस्थित ही पादि
संभ भी अनुपस्थित ही इन की उतर से जो कि पकीन
उभय भी उपस्थित नही ही बार बार आवीन नगपद
रदि। पर ज्यमानन सभन तक जो कि भी उपस्थित नही
ही उभतः राजस्व बार - पक्ष उभय राजकी उभय केरवी
में एवादीन क्रिया आता ही पञ्चावली केसन ज्युभर हो
नम्वर से काय होकर कश्चिन ककार हो।

नासुण्डे अधिकारी
भनाय (जन्मेर)